Department of Prakrit and Sanskrit

Jain Vishva Bharati Institute, Ladnun

According to NEP - 2020

Choice Based Credit System Syllabus

M.A. in Sanskrit

(From the Academic Year 2025-2026)

Approved by B.O.S. in Sanskrit

सेमेस्टर – प्रथम

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major अनिवार्य पत्र (**Core Compulsory Course**)					
M-SKT101-MJ	वैदिक साहित्य	100	70	30	4
M-SKT-102-MJ	संस्कृत काव्य साहित्य	100	70	30	4
M-SKT-103-MJ	संस्कृत साहित्य का इतिहास	100	70	30	4
Subject Minor अनिवार्य–पत्र (**Core Compulsory Course**)					
M-SKT-101-MN	संस्कृत नाटक एवं नाट्य शास्त्र	100	70	30	4
Value Added (IKS nature)					
M-JVB-101-VA	जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्य	100	70	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**350**	**150**	**20**

सेमेस्टर – द्वितीय

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट
Subject Major अनिवार्य पत्र (**Core Compulsory Course**)					
M-SKT-201-MJ	उननिषद् व वेदान्त साहित्य	100	70	30	4
M-SKT-202-MJ	काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त	100	70	30	4
M-SKT-203-MJ	संस्कृत गद्य साहित्य	100	70	30	4
Subject Minor अनिवार्य–पत्र (**Core Compulsory Course**)					
M-SKT-201-MN	भाषाशास्त्र एवं भाषा विज्ञान	100	70	30	4
Skill Enhancement Course (Choose any one)					

M-SKT-201-SE M-JVB-201-SE M-JVB-202-SE M-JVB-203-SE	पाण्डुलिपि विज्ञान : पठन–विधि, पाठ–सम्पादन एवं अनुवाद Information Technology and Computer Astrology and Vastu Choose any Course from MOOC's related to Skill Enhancement	100	70	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**350**	**150**	**20**

सेमेस्टर – तृतीय

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए. टर्म पेपर	क्रेडिट
	Subject Major अनिवार्य पत्र **(Core Compulsory Course)**				
MSKT301MJ	भारतीय दर्शन	100	70	30	4
MSKT302MJ	जैन दार्शनिक साहित्य	100	70	30	4
MSKT303MJ	संस्कृत व्याकरण	100	70	30	4
	Multi Disciplinary (Choose Any One from different course of self Subject)				
M-JVB-301-MD M-JVB-302-MD M-JVB-303-MD M-JVB-304-MD M-JVB-305-MD M-JVB-306-MD M-JVB-307-MD	Preksha Meditation and Self Management Introduction to Sanskrit Introduction to Prakrit The Uses of English Non-violence and Peace Introduction to Political Science Introduction to Jainism	100	70	30	4
	Introductory अनिवार्य पत्र **(Core Compulsory Course)**				
M-JVB-301-RP	शोध प्रविधि	100	70	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**350**	**150**	**20**

सेमेस्टर – चतुर्थ

प्रश्न–पत्र कोड	प्रश्न–पत्र का नाम	पूर्णांक	लिखित परीक्षा	सी.आई.ए.	क्रेडिट

Subject Major **अनिवार्य पत्र (Core Compulsory Course)**					
M-SKT-401-MJ	संस्कृत नीतिपरक साहित्य	100	70	30	4
Research (Core Elective)					
M-JVB-401-RP M-JVB-402-RP	Review of Literature Formulation of Research Proposal	100	70	30	4
Research (Core Elective) Any One					
M-JVB-403-RP M-JVB-404-RP	Publication of Article in Refereed Journal Paper Presentation in National/International Seminar/Conference	100	70	30	4
Research (Core Compulsory) Choose any one					
M-JVB-405-RP	Dissertation	100	70 Dissertation	30	4
M-JVB-406-RP	Preparation & Viva Voice	100	70 Preparation 30+ Viva Voice 40)	30	4
	कुल अंक एवं क्रेडिट	**500**	**380**	**120**	**20**
	अंक एवं क्रेडिट का महायोग	**2000**	**1430**	**570**	**80**

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT101MJ : वैदिक साहित्य
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. वेदों की शाखा–प्रशाखा का ज्ञान होगा।
2. वेदों में निहित ज्ञान को जानना।
3. इतिहास क्रम से वेदों के भेद–प्रभेद की जानकारी होगी।
4. प्राचीन भारतीय समाज, संस्कृति, धर्म, दर्शन और भाषागत जानकारी मिलती है, आधुनिक भारतीय सभ्यता के विकास में सहायक है।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: **ऋग्वेद–**
अग्निसूक्त–4/2,
इन्द्रसूक्त–2/12
पुरुषसूक्त–10/90
हिरण्यगर्भसूक्त–10/121

इकाई–2: **वेद–**
ऋग्वेद–नासदीय सूक्त, 10/129
यजुर्वेद–शिवसंकल्प सूक्त 34/1–6
अथर्ववेद–भूमिसूक्त,, 12/1
ब्राह्मण–ऐतरेय ब्राह्मण 33/3/1–5

इकाई–3: **निरुक्त (यास्ककृत)**
प्रथम अध्याय

इकाई–4: **वैदिक साहित्य–परिचय–**
वेद महत्त्व, काल–निर्धारण, संहिता साहित्य, शाखाएं, वैदिक–देवता, प्रमुख वैदिक छन्द, वेदांग साहित्य–सामान्य परिचय

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested & Reference Books)

1. ऋक्सूक्तसंग्रह, डॉ. हरिदत्त शास्त्री व डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ–2
2. वैदिक संग्रह, डॉ. कृष्णलाल, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
3. वेदसंचयनम्, डॉ. यदुनन्दन मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. The New Vedic Selection (Pt.I), Dr. B.B. Chaubey, Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi-Delhi
5. शुक्लयजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी, डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास (वैदिक खण्ड), डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर (राजस्थान),1999
7. निरुक्त–यास्ककृत, साहित्य भंडार, मेरठ, 1985।

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–प्रथम

अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)

MSKT102MJ : संस्कृत काव्य साहित्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. मेघदूत में वर्णित जीवन मूल्यों का ज्ञान होगा।
2. शिशुपालवध में वर्णित संस्कृति का ज्ञान।
3. भरतबाहुबलि महाकाव्य में वर्णित सिद्वान्तों की जानकारी।
4. नैषधीय चरितम का वैशिष्ट्य प्राप्त होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

मेघदूत (पूर्वमेघ), कालिदासकृत

इकाई–2:

शिशुपालवध (प्रथम सर्ग) माघकविरचित

इकाई–3:

भरतबाहुबलिमहाकाव्यं (प्रथम सर्ग) सम्पादक आचार्य तुलसी

इकाई–4:

नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग), श्रीहर्षरचित

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested & Reference Books)

1. शिशुपालवध (आलोचनात्मक अध्ययन), चुन्नीलाल शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. नैषधीयचरितम्, डॉ. केशवराव मुसलगॉवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
3. मेघदूतम्, आचार्य शेषराज शर्मा रेग्मीः चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1976
4. नैषधीयचरितम्, डॉ. शिवराज शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008
5. शिशुपालवधम्, संपादक–श्री रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008
6. भरतबाहुबलिमहाकाव्यम्, संपा. आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती, लाडनूं, 1974

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT103MJ : संस्कृत साहित्य का इतिहास
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. संस्कृत साहित्य का उद्भव व विकास का ज्ञान होगा
2. संस्कृत नाटक एवं गद्य साहित्य का ज्ञान होगा
3. पद्य साहित्य एवं गीतिका के उद्भव एवं विकास का ज्ञान होगा
4. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

संस्कृत साहित्य का उद्भव व विकास

- आदिकाव्य रामायण (रामायण का क्रम, रामायण में आख्यान, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रंथों के लिए रामायण एक प्रेरणा स्रोत, रामायण का साहित्यिक महत्त्व)
- महाभारत (महाभारत का क्रम, महाभारत में आख्यान, महाभारतकालीन समाज, परवर्ती ग्रंथों के लिए महाभारत एक प्रेरणा स्रोत, महाभारत का साहित्यिक महत्त्व)
- जैन एवं वैदिक पुराण का परिचय
  (वैदिक पुराण– परिभाषा, संख्या, उपपुराण, पौराणिक सृष्टि विज्ञान, पुराण एवं लौकिक कलाएं, पौराणिक आख्यान)
  जैन पुराण (परिभाषा, पुराण एवं महापुराण में अन्तर, वर्ण्य विषय आदि)
- जैन संस्कृत साहित्य– जैन संस्कृत काव्य का उद्भव एवं विकास, जैन संस्कृत काव्य की विशेषताएं,

इकाई–2:

संस्कृत नाटक एवं गद्य साहित्य

संस्कृत नाटकों का विकास, गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

निम्न नाटकों एवं गद्यों का सामान्य अध्ययन

नाटक– स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरित, मुद्राराक्षस, रत्नावली, वेणीसंहार

गद्य साहित्य– दशकुमार चरित, हर्षचरित, कादम्बरी, तिलकमंजरी

इकाई–3:

पद्य साहित्य एवं गीतिकाव्य–गीतिकाव्य का उद्भव एवं विकास

पद्य साहित्य–

रघुवंश, मेघदूत, किरातार्जुनीय, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरित, बुद्धचरित

जैन पद्य साहित्य–

दूतकाव्य–पार्श्वाभ्युदय, नेमिदूत, जैनमेघदूत एवं अश्रुवीणा

प्रमुख चरित काव्य–चन्द्रप्रभ चरित, वर्धमान चरित, पार्श्वनाथ चरित एवं वरांग चरित

ऐतिहासिक महाकाव्य–हम्मीर महाकाव्य

इकाई–4:

संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का सामान्य परिचय– अश्वघोष, भास, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, भवभूति, शूद्रक, बाण, आचार्य महाप्रज्ञ।

संदर्भ ग्रंथ–

1. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, प्रो.रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी, 1985।
3. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय, साहित्य भंडार, मेरठ, 1975।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. रामदेव साहू, श्याम प्रकाशन, जयपुर, 2008
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर, 1982।
6. जैन काव्य के विकास में जैन कवियों का योगदान, डॉ. नेमिचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 1998

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–प्रथम
अनिवार्य पत्र (MINOR COURSE)
MSKT101MN : संस्कृत नाटक एवं नाट्य शास्त्र
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. रूपकों का विशद् ज्ञान करवाया जायेगा।
2. रूपकों के भेद–प्रभेदों का ज्ञान होगा
3. ऐतिहासिक रामचरित्र की घटनाओं का ज्ञान होगा।
4. नाट्य रसों की जानकारी मिली।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 **CIA**)

इकाई–1:

दशरूपक (धनंजयकृत) : प्रथम प्रकाश

नाट्यलक्षण, रूप–रूपक, नृत्य–नृत्त, अवस्थापंचक, पंच अर्थ–प्रकृतियां, सन्धि, सन्धिभेद, सन्धि–अंग

इकाई–2:

दशरूपक (धनंजयकृत) : तृतीय प्रकाश

इकाई–3:

उत्तररामचरित (भवभूति कृत) : प्रथम एव द्वितीय अंक

इकाई–4:

नाट्यशास्त्र (भरत मुनि विरचित) (षष्ठ अध्याय)

संदर्भ ग्रन्थ

1. उत्तररामचरित, रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वराणसी, 2000।
2. दशरूपकम्, व्याख्याकार–राजबली पाण्डेय, उर्मिला पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
3. Natyashastra with Abhinavbharati-revised and critically edited by Prof. V.M. Kulkarni & Prof. Tapasvi Nandi Published by oriental institute, Vadodara.
4. Natyashastra Edited by R.S. Nagar, Parimal Publication, Delhi.
5. नाट्यशास्त्रम्, अभिनवभारतीसाहितम्।
6. दशरूपकम्, संपादन– डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
7. दशरूपकम्, व्याख्याकार– डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. नाट्यशास्त्रम्–संपा. एवं व्या.– श्री बाबुलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–प्रथम

अनिवार्य पत्र (**VALUE ADDED COURSE)**

MJVB101VA: जैन संस्कृति एवं जीवनमूल्य

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Students understand the need of value oriented education
2. Students understand the process of contemplation for value development.
3. Students understand the non-violence and culture of peace.
4. Students understand the cardinal principles of Jainism

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

इकाई–1 जैन इतिहास और संस्कृति

- जैन धर्म और उसकी प्राचीनता
- कालचक्र
- गवान् ऋष और महावीर
- जैन धर्म के मुख्य सम्प्रदाय
- जैन साहित्य और कला
- जैन संस्कृति की विशेषताएँ

इकाई–2 जैन आचार मीमांसा तत्त्व मीमांसा

- जैन आचार का आधार और स्वरूप
- त्रिरत्न (रत्नत्रय)
- श्रमणाचार–श्रावकाचार
- जैन जीवनशैली
- नव तत्त्व
- छः द्रव्य
- लोकवाद

इकाई–3 जीवन विज्ञान और मूल्य विकास

- जीवन विज्ञान शिक्षा का नया आयाम
- जीवन विज्ञान के सात अंग
- जीवन विज्ञान और मूल्य विकास
- अहिंसा और अहिंसा प्रशिक्षण
- अनेकान्त और जीवन व्यवहार
- अणुव्रत आन्दोलन और नैतिकता

इकाई–4 प्रेक्षाध्यान और प्रबन्धन

- प्रेक्षाध्यान स्वरूप और उद्देश्य
- समय–प्रबन्धन
- लक्ष्य–प्रबन्धन
- स्वास्थ्य–प्रबन्धन
- तनावमुक्ति–प्रबन्धन
- नशामुक्ति–प्रबन्धन
- कशायमुक्ति–प्रबन्धन

SUGGESTED READING

- जैन संस्कृति एवं जीवन मूल्यए डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञाए जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
- Devatma' Value Education: 4 supplements to present education. Arora K. NCET, New Delhi 1999.
- Values and Ethics in School Education, Luther, M. (2001) New Delhi Mc Grow Hill.
- Value Development in Higher Education, Mukhopadhya M. (Eds.) 2004)
- Human Values and Education-Rahul, S.P. (1986) Sterling New Delhi.
- Education in Human Values. Saraf (1999) Vikash Publication, New Delhi.
- Value Education: Theory and Practice, Dr. N.L. Gupta, Krishna Brothers, Ajmer, 1986.
- जैन धर्ममेंअहिंसा, वशिष्ठनारायण सिंहा, वाराणसी।
- जैनदर्शनमननऔरमीमांसा–आचार्यमहाप्रज्ञ, आदर्शसाहित्य संघ, चूरू।

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT201MJ : उननिषद् व वेदान्त साहित्य
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. ब्रह्मसूत्र की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा
2. ईशोपनिषद्, केनोपनिषद की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा
3. कठोपनिषद्, मुण्डकोपनिषद की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा
4. वेदिक एवं पुराण साहित्य का परिचय प्राप्त होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: ब्रह्मसूत्र–शांकरभाष्य : चतुःसूत्री,
प्रथम व द्वितीय सूत्र

इकाई–2:
भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)

इकाई–3:
ईशोपनिषद्, केनोपनिषद् (मूल मात्र),

इकाई–4:
कठोपनिषद्, मुण्डकोपनिषद् (मूल मात्र),

संदर्भ ग्रंथ–

1. ईशावास्योपनिषद्, संपादक– वाचस्पति पाण्डेय 'विकल', साहित्य भण्डार, मेरठ, 1985।
2. कठोपनिषद्, शांकरभाष्य संहिता, हिन्दी–अनुवाद युक्त, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1976
3. ब्रह्मसूत्रम्, स्वामी योगीन्द्रानन्द निर्मित भामती व्याख्या, षड्दर्शन प्रकाशन–प्रतिष्ठान, वाराणसी, 1987।
4. एकादशोपनिषद्, व्याख्याकार–प्रो. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, विजयकृष्ण लखनपाल एण्ड कम्पनी, देहरादून, 1982।
5. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2011।
6. ब्रह्मसूत्रशाकंरभाष्यम्, व्याख्याकार– स्वामी श्री हनुमानदास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1982।

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT202MJ : काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. काव्य स्वरूप का ज्ञान
2. साहित्य निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान करवाना।
3. काव्य की भेदों को जानने का अवसर मिला।
4. शब्द शक्तियों के गुण–दोषों की जानकारी मिली।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

साहित्यदर्पण (विश्वनाथ कवि रचित) – प्रथम परिच्छेद

इकाई–2:

साहित्यदर्पण (विश्वनाथ कवि रचित) – द्वितीय परिच्छेद

इकाई–3:

काव्यप्रकाश (मम्मट रचित) : प्रथम उल्लास

इकाई–4:

काव्यप्रकाश (मम्मट रचित) : द्वितीय–तृतीय उल्लास

संदर्भ ग्रन्थ

1. साहित्य दर्पण, व्याख्याता– डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. काव्यप्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, (सं.) डॉ. नरेन्द्र, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 1978
3. साहित्य दर्पण, व्याख्याकार, श्रीरामचरण तर्कवागीश भट्टाचार्य, पंकज पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
4. साहित्य दर्पण, संपादक– पं. शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन
5. साहित्य दर्पण, लक्ष्मी टीका युक्त, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. साहित्य दर्पण, व्याख्याकार– आचार्य लोकमणि दाहल

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT203MJ : संस्कृत गद्य साहित्य
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. गद्य काव्य की परम्परा से परिचय होगा।
2. कादम्बरी की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा
3. दशकुमारचरित की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा।
4. हर्षचरित की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: कादम्बरी (बाणभट्ट कृत)
कथामुख (प्रारम्भ से पंपा सरोवर वर्णन तक)

इकाई–2: कादम्बरी (बाणभट्ट कृत)
कथामुख (पंपा सरोवर वर्णन से कथामुख की समाप्ति तक)

इकाई–3: दशकुमारचरितम्–अष्टमोच्छ्वास

इकाई–4: हर्षचरित (बाणभट्ट कृत)–पंचमोच्छ्वास

संदर्भ ग्रंथ–

1. दशकुमारचरितम्, टीकाकार–विश्वनाथ झा, मोतीलाल बनारसीदास, 2015
2. हर्षचरित, संपादक–पी.वी. काणे, मोतीलाल बनारसीदास, 1978
3. कादम्बरी, संपा. राजा सी. कुंजन, भारतीय विद्याभवन, मुम्बई, 2012
4. कादम्बरी (पूर्वार्द्ध), संपा. मोहन शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2017
5. कादम्बरी, टीकाकार–पांडेय रामतेज शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
अनिवार्य पत्र (MINOR COURSE)
MSKT201MN : भाषाशास्त्र एवं भाषा विज्ञान
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. भाषा के उद्भव व विकास का ज्ञान होगा
2. भाषा–परिवारों का ज्ञान होगा।
3. ध्वनि एवं पद विज्ञान का ज्ञान होगा।
4. अर्थ एवं वाक्य विज्ञान का बोध होगा।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: सामान्य भाषा शास्त्र

भाषा की परिभाषा एवं भाषा विज्ञान, स्वरूप, महत्त्व, व्याकरण का संबंध, भाषाओं का वर्गीकरण, प्राच्य भारतीय भाषाविज्ञानविद् (पाणिनि आदि मुनित्रय)

इकाई–2: सामान्य भाषा षास्त्र

भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत, भारत–ईरानी परिवार, आर्य परिवार के दो समूह–शतम् एवं केन्टुम् वर्ग, भाषा और वाक् में अन्तर, भाषा और बोली में अन्तर।

इकाई–3: ध्वनि एवं पद विज्ञान

संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय ध्वनि यंत्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि–नियम (ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर), पदविज्ञान, पद और वाक्य, पद और शब्द, पद और सम्बन्ध तत्व एवं पद विभाग

इकाई–4: वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान

वाक्यविज्ञान– वाक्य का लक्षण तथा भेद, वाक्य में परिवर्तन की दिशाएं तथा कारण, वाक्य विज्ञान का स्वरूप, वाक्य और पदक्रम।

अर्थविज्ञान– अर्थ का लक्षण, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं एवं अर्थ परिवर्तन के कारण

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested & Reference Books)

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2018
2. संस्कृत भाषा विज्ञानम्, चक्रवर्तीश्री रामाधीन चतुर्वेदी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1995
3. भाषाविज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 2007
4. सामान्य भाषाविज्ञान, डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (उ.प्र.)

Skill Enhancement Course (Choose any one)

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–द्वितीय

ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

MSKT201SE : पाण्डुलिपि विज्ञान : पठन–विधि, पाठ–सम्पादन एवं अनुवाद

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. पाठ–संपादन विधि की जानकारी
2. अनुवाद–विधि की जानकारी
3. वर्तनी–शुद्धि की जानकारी
4. लिपि–परिचय एवं पाण्डुलिपि पठन की जानकारी

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1 लिपि–परिचय एवं पाण्डुलिपि का सामान्य परिचय

प्रमुख लिपियों का सामान्य परिचय (शारदा, ब्राह्मी, खरोष्ठी) पाण्डुलिपि का सामान्य परिचय, (पाण्डुलिपि का अर्थ एवं परिभाषाएँ, पाण्डुलिपि के भेद–गुहालेख या भित्तिचित्र, मृदा अभिलेख, पेपीरस अभिलेख, काष्ठ–पट्टी अभिलेख, चर्मपत्र या पार्चमेण्ट), पाण्डुलिपि के प्रकार–लिप्यासन के आधार पर, आकार के आधार पर, लेखन शैली के आधार पर, चित्र–सज्जा के आधार पर।

इकाई–2 वर्तनी शुद्धि

अशुद्धि संशोधन के चिन्हों का ज्ञान, सावधानियाँ, विषयवस्तु एवं भाषा का ज्ञान।

इकाई–3 पाठ–सम्पादन

परिचय, सिद्धान्त और अनुप्रयोग, विधियाँ, सावधानियाँ

इकाई–4 अनुवाद–कार्य (संस्कृत–प्राकृत एवं हिन्दी के विशेष सन्दर्भ में)

परिचय, अनुवाद के प्रकार (शब्दनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपान्तरण, व्याख्यानुवाद) अनुवाद के सिद्धान्त समतुल्यता का सिद्धान्त, अर्थ सम्प्रेषण का सिद्धान्त, व्याख्या का सिद्धान्त), अनुवाद के साधन (अनुवादक, शब्दकोश, विषय–विशेषज्ञ, मशीनी उपकरण)।

सन्दर्भ–ग्रन्थः–

1. अनुवाद : अवधारणा और आयाम, सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ, 1998
2. अनुवाद कला : सिद्धान्त और प्रयोग, डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
3. Editing, Principles and Practices, Dr. Rabindranath, Regal Publication, New Delhi, 2014
4. सामान्य पाण्डुलिपिविज्ञान, डॉ. महावीरप्रसाद शर्मा, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, राजस्थान, प्रथम संस्करण, 2003
5. सामचार सम्पादन और पृष्ठ–सज्जा, डॉ. रमेश जैन, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर, द्वितीय संस्करण, 1997
6. भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, पंचदश संस्करण, 2016

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

MJVB201SE : **Information Technology and Computer**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Expose the students to the fundamentals of the IT.
2. Students gain the introductory knowledge of the MS-Windows
3. Practically students able to use MS-PowerPoint, MS-Word, MS-Excel and create their own blog.

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit I: Introduction to Computers and Windows

- Application of Computers
- Block Diagram of Computer
- Input and Output devices
- Types of software
- Introduction to Operating system: Windows
- Functions of operating system
- How you can Fast your Computer or Maintenance of computer

Unit II: Concept of MS Word and MS Excel and its application

- MS Word Window Layout
- Creating and Formatting Documents
- Editing Documents
- Working with Tables.
- Mail Merge, Macro Recording, Thesaurus, Printing Document (How to Use Page-Setup Before Printing)
- Introduction to Excel and its Applications
- Concept of workbook and worksheet
- Layout of Worksheets
- Use of basic formula and functions
- Sorting, Filtering and charts
- Report Generation (Pivot Table)
- Security or Protecting Worksheets

Unit III: Introduction & Application of MS-PowerPoint

- PowerPoint Slide Creation
- Slide Layout
- Views

- Adding content to slide- Text, Graphics, Sound, Video
- Applying Slide Transition
- Custom Animation
- Slide Show
- Working With Image or ClipArt (how you edit clipart image)

Unit IV: Internet

- Introduction to internet
- ISP (Internet Services Providers)
- About Modem, Type of Internet Connection
- Web browser – its functions
- Concept of search engine, What is surfing
- Social Networking site/How to pay online bill/How to book tickets online/How to use Paytm
- Website and its types
- Searching, downloading and uploading
- Basic concepts of sending and receiving E-mail
- Blog uses and creation of blog
- How to Create Simple web page (or Personal web page)

Course Contents (Practical) :

- Creating document in MS-Word like Advertisement, Letter, Tables, Charts etc.
- Creation of Simple Worksheet like Mark sheet, Pay slip using MS-Excel.
- Creation of Power Point Presentation on various themes.

Outcome:

- Students will apply the knowledge of IT practically in their day-to-day life.
- Students will be able to create well-formatted documents, attractive presentations and calculation part through excel.
- Students will be able to create their own blog.

SUGGESTED READING/Website

1. http://www.tutorialspoint.com/computer_fundamentals/index.htm
2. http://www.gcflearnfree.org/office
3. Fundamentals of computers (English) Ist Edition by ReemaThareja, Oxford University Press, 2014
4. Introduction to Computer by Peter Norton, Tata McGraw hill
5. Introduction to Computer by Gary B Shelly

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)
MJVB202SE : Astrology and Vastu

क्रेडिट–4

Course Outcomes

- It will Create an interest in Indian Astrology
- It will usefull for the knowledge of TrediationalArchitecht
- It will usefull for daily life
- Students will acquise a fundamental outlook about their life and future

Unit-I : Back Ground of the Knowledge of Panchang

- Knowledge of Tithi
- Knowledge of var
- Knowledge of Naxatra
- Knowledge of Yoga
- Knowledge of Karan
- Knowledge of Dinman&Ratrimaan
- Knowledge of Time of Sunrise & Sunset

Unit-II :Basic Knowledge of Muhoort

- Muhoort about Marrige
- Muhoort about Business
- Muhoort about Vastushanti
- Muhoort about Grahshanti
- Muhoort about Vidyarambh
- Muhoort about Griharambh
- Muhoort about Grihpravesh

Unit-III :Basic Knowledge of Horoscope

- Introduction of Horoscope
- How to make Herosewpe
- Knowledge of 12 Bhavs
- Knowledge of Rashi's
- Knowledge of Graha's
- Knowledge of Sequence of Rashi's&Graha's

Unit-IV :Basic Knowledge of Vastu

- Knowledge of Utility of Eirth
- Examine of Eirth

- Knowledge of Khat-Chakra
- Knowledge of Plots and DeisionForUtilise
- Knowledge of Prakoshtha’s
- Knowledge of Vedh’s
- Deision of Build Aria

Text Books

- BrihadAvkahadaChakram- GauriNathShastri, ChaukhambaVidyaBhawan, Varanasi
- PanchangVigyanam – Bhaskar Sharma, HansaPrakashan, Jaipur
- KundaliDarpan – NarayandattShrimali, Manoj Pocket Books, New Delhi

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–द्वितीय
ऐच्छिक पत्र (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

MJVB203SE : **Choose any Course from MOOC's related to Skill Enhancement**

क्रेडिट–4

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 **CIA**)

Note - Students can choose this course from MOOC's Portal related to Skill Enhancement .

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT301MJ : भारतीय दर्शन
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड का समान्य परिचय होगा
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड में वर्णित न्याय दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का ज्ञान होगा
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के शब्द खण्ड की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा।
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के लक्षणा निरूपण की विषय–वस्तु का ज्ञान होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:
तर्कभाषा (के. राव मिश्र कृत)– प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त

इकाई–2:
तर्कभाषा (के. राव मिश्र कृत)– अनुमान, उपमान, प्रमाण

इकाई–3:
न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, शब्द खण्ड, कारिका–81 (लक्षणा निरूपण तक)

इकाई–4:
न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, शब्द खण्ड, कारिका–82–84

सहायक संदर्भ ग्रन्थ (Sugested & Reference Books)

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, हिन्दी व्याख्या– डॉ. धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, हिन्दी व्याख्या– पं. गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, हिन्दी टीका– आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, श्रीकृष्णवल्लभाचार्यकृत किरणावली टीका, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5- The Nyaya Theory of Knowledge by S.C. Chatterjee, Calcutta
6- The Philosophy of Nyaya-Vaishesik is conflict with the Buddhist Dinnaga School by D.N. Shastri, Delhi

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT302MJ : जैन दार्शनिक साहित्य
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. प्रमाण व प्रमेय के विभिन्न पक्षों का ज्ञान होगा।
2. छः दर्शनों का जैन दृष्टि से ज्ञान मिला।
3. तत्त्वों के भेद–प्रभेदों की जानकारी मिली।
4. तत्त्वार्थसूत्र में वर्णित मोक्ष मार्ग ज्ञान होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: प्रमाण–प्रमेय कलिका (नरसेन विरचित)
संपूर्ण

इकाई–2: षड्दर्शन समुच्चय (हरिभद्रकृत)
जैन मत

इकाई–3: तत्त्वार्थ सूत्र (उमास्वामि विरचित)
प्रथम अध्याय

इकाई–4: तत्त्वार्थ सूत्र
पंचम अध्याय

संदर्भ ग्रन्थ

1. षड्दर्शन समुच्चय (हरिभद्रकृत), भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 1974
2. प्रमाण प्रमेयकलिका, संपादक– दरबारी लाल जैन कोठिया, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
3. तत्त्वार्थ सूत्र, विवेचक– सुखलाल सिंघवी मोहनलाल दीपचन्द चोकसी, बम्बई
4. सभाष्यतत्त्वार्थाधिगमसूत्र, हिन्दी–भाषानुवाद– पं. खूबचन्द सिद्धान्त शास्त्री, श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास
5. जैन दर्शन मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, संपा.– मुनि दुलहराज, आदर्श साहित्य संघ, चूरू , 2008
6. तत्त्वार्थ सूत्र, फूलचन्द्र शास्त्री, गणेषवर्णी दिगम्बर जैन शोध संस्थान, वाराणसी

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT303MJ : संस्कृत व्याकरण
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1. कारक प्रकरण की जानकारी हुई
2. वाक्य निर्माण का ज्ञान होगा।
3. स्त्री प्रत्यय की जानकारी मिली।
4. संस्कृत भाषा में निबन्ध रचना का ज्ञान होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

कारक प्रकरण (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–2:

अनुवाद रचना (संस्कृत वाक्य रचना बोध पाठ–25)

इकाई–3:

स्त्रीप्रत्यय प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)

इकाई–4:

निबन्ध रचना (भारतीय पर्व, महापुरुष, पंचव्रत–अहिंसा आदि)।

संदर्भ ग्रंथ–

1. श्रीमद भट्टोजि दीक्षित विरचित वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्याकार–श्री गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी, व्याख्याकार–संपादक– श्रीबालकृष्ण पंचोली, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2011–12
3. वाक्य रचना बोध, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं, 1990
4. रचनानुवाद कौमुदी, डॉ. कपिलदेव शास्त्री, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016

M-JVB-307-MD

Inter disciplinary (Any One)

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–तृतीय

ऐच्छिक पत्र **(INTER DISCIPLINARY COURSE)**

MJVB301MD : **Preksha Meditation and Self Management**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Students understand historical development of Preksha Meditation.
2. Students understand the components, spiritual-scientific basis, objectives and benefits of Preksha Meditation.
3. Students introduce the practical & process of Preksha Meditation.

. **Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)**

Unit-I Preksha Meditation - I

Preksha Meditation: nature, *upsampada*, main, supportive and specific components.

Kayotsarga (Relaxation with self awareness): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Internal Trip (*Antaryatra*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IIPreksha Meditation – II

Perception of Breathing: objectives, spiritual and scientific basis, types and benefits.

Perception of Body: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IIIPreksha Meditation - III

Perception of Psychic Centres: objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Psychic Colour Mediation (*LeshyaDhyan*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Contemplation (*Anupreksha*): objectives, spiritual and scientific basis and benefits.

Unit-IV Self Management through Preksha Meditation

Personality development and Preksha Meditation.

Health management and Preksha Meditation.

Stress Management and Preksha Meditation.

Memory and Preksha Meditation.

Time management and Preksha Meditation.

Emotional management and Preksha Meditation.

SUGGESTED READING

1 प्रेक्षापुष्प–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 2003।

2 अपनादर्पणअपनाबिम्ब– युवाचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, 1991।

3 प्रेक्षाध्यान : सिद्धातऔरप्रयोग–आचार्यमहाप्रज्ञ, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।

4 प्रेक्षाध्यान : व्यक्तिवविकास–मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं।

5 जीवन विज्ञान की रूपरेखा–मुनि धर्मेश, जैनविश्वभारतीप्रकाशन, लाडनूं, 1996।

6 जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग–संपा. समणी डॉ. मल्लीप्रज्ञा, जैनविश्वभारतीविश्वविद्यालय, 2009।

7 Mirror of the Self – AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1995.

8 PrekshaDhyana – Theory & Practice, AcharyaMahaprajna, Jain VishvaBharatiPrakashan, Ladnun (Rajasthan), 1994.

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB302MD : **Introduction of Sanskrit**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का ज्ञान होगा।
2. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।
3. संस्कृतव्याकरण की मूल-अवधारणाओं (जैसे कि वर्णमाला, संज्ञा, सन्धि, समास आदि को) समझने में सक्षम होंगे।
4. अनुवाद और लेखनकौशल में अभिवृद्धि होगी।

पूर्णांक 100 (70 लिखित परीक्षा + **30 CIA**)

इकाई-१

- संस्कृतवर्णमालापरिचय

  १. स्वरवर्ण

  २. व्यञ्जनवर्ण

- शब्दरूप(संज्ञात्मक)

शब्द	अकारान्त	आकारान्त	इकारान्त	ईकारान्त	उकारान्त	ऋकारान्त
पुलिङ्ग	राम, बालक	-	कवि, हरि, पति	-	गुरु	पितृ, दातृ
स्त्रीलिङ्ग	-	लता	मति	नदी	धेनु	मातृ
नपुंसकलिङ्ग	फल	-	वारि	-	वस्तु	-

शब्दरूप(हलन्त\व्यञ्जनान्त)

पुलिङ्ग	राजन्, आत्मन्, महत्, गच्छत्, ब्रह्मन्, विद्वस्
स्त्रीलिङ्ग	वाच्, सरित्, दिश्, परिषद्
नपुंसकलिङ्ग	जगत्, नामन्, मनस्, पयस्, कर्मन्

- सर्वनाम- अस्मद्, युष्मद्, तद्, यद्, एतद्, अदस्, भवत्, किम्, सर्व (तीनों लिङ्गों मे)।
- धातुरूप

  १. परस्मैपदीधातु- पठ्, भू, लिख्, अस्, गम्, खाद्, वद्, हस्, कृ, पा, दा, नी, ज्ञा।

  २. आत्मनेपदीधातु- लभ्, सेव्, भाष्, वन्द्, मुद्, क्षम्, रम्, कम्प्।

इकाई-२

- सन्धि

  १.स्वरसन्धि

  २. व्यञ्जनसन्धि

३. विसर्गसन्धि

- समास

१. अव्ययीभावसमास

२. तत्पुरुषसमास

३. कर्मधारायसमास

४. द्विगुसमास

५. बहुव्रीहिसमास

६. द्वन्द्वसमास

इकाई-३

- कारक
  १.कर्ता, २.कर्म, ३.करण, ४.सम्प्रदान, ५.अपादान, ६.सम्बन्ध, ७. अधिकरण
- वाच्य
  १.कर्तृवाच्य, २. कर्मवाच्य, ३. भाववाच्य
- प्रत्यय

  १. कृदन्त- क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्तिन्, ल्युट्, तव्य/तव्यत्, अनीयर्।

  २. तद्धित- मतुप्, वतुप्, अण्, घञ्, इन्, ठक्, तल्, ष्यञ्।

  ३. स्त्रीप्रत्यय- टाप्, ङीप्, ङीष्।
- अव्यय
  १.स्थानवाची- अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, कुत्र, यतः, ततः।
  २.समयवाची- यदा, तदा, कदा, सर्वदा, अद्य, ह्यः, श्वः, परश्वः।
  ३.समुच्चयवाची- च, अपि, एव
  ४. दिशावाची- अभितः, परितः, पुरतः, वामतः, दक्षिणतः।
  ५. निषेधवाची- मास्तु, अलम्, न।
  ६.सादृश्यवाची- इव, नु, वा, चित्।
- उपसर्ग- आ, उत्, अनु, प्र, प्रति, अव, उप, सम, अप।
- विशेष्य-विशेषणसम्बन्ध
- संस्कृत अनुवाद(हिन्दी से संस्कृत में)

इकाई-४ (संस्कृतसाहित्य का आलोचनात्मक इतिहास)

1. संस्कृतसहित्य का उद्भव और विकास
2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विधाओं का अध्ययन

१. गद्यकाव्य

२. पद्यकाव्य

३. चम्पूकाव्य

४. नाटक

3. संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का परिचय

१. कालिदास
२. भारवी
३. श्रीहर्ष
४. भवभूति
५. भास
६. शूद्रक
७. बाणभट्ट

सहायक ग्रन्थसूची :

१. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, २०२४.

२. बृहत् अनुवाद-चन्द्रिका, चक्रधर नौटीयाल "हंस" शास्त्री, मोतीलाल वनारसीदास, वाराणसी,१९६२.

३. सुगम संस्कृत व्याकरण, राकेश शास्त्री-प्रतिमा शास्त्री, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, १९९७.

४. व्याकरणसौरसम्, कमल कमलाकान्त मिश्र, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, २००२.

५. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशङ्कर शर्मा(ऋषि), चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, २०१७.

६. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डा. कपिलदेव द्विवेदी, उत्तरप्रदेश संस्कृत अकादमी, लखनऊ, १९९३.

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
MJVB303MD : **Introduction to Prakrit**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. समणसुत्तं में वर्णित नीतिपरक सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।
2. उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णित विनय का स्वरूप का ज्ञान।
3. प्राकृत भाषा का समान्य परिचय होगा।
4. प्राकृत साहित्य की समान्य जानकारी हुई।

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–प्रथम : समणसुत्तं – प्रथम 1–25 गाथा

इकाई– द्वितीय : उत्तराययन सूत्र – अध्ययन 1 (गाथा 01–25)

इकाई–तृतीय : प्राकृत भाषा का सामान्य परिचय एवं अनुवाद रचना

प्राकृत की उत्पत्ति एवं विकास, प्रमुख प्राकृतों का समान्य परिचय, भेद एवं उनकी सामान्य विशेषताएँ (मागधी, अर्द्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री एवं अपभ्रंश)

प्राकृत स्वयं शिक्षक के प्रथम 25 पाठों के आधार पर अभ्यास एवं अनुवाद रचना

इकाई–चतुर्थ : प्राकृत साहित्य का इतिहास

श्वेताम्बर एवं दिगम्बर आगम साहित्य, प्राकृत काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य, ऐतिहासिक काव्य) कथा एवं चरित साहित्य, प्राकृत गद्य एवं चम्पू साहित्य, प्राकृत सट्टक एवं प्राकृत व्याकरण साहित्य।

संदर्भग्रंथ :

1. उत्तरज्झयणाणि–हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या सहित, संपादक–आचार्यश्री महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, नेमिचन्द शास्त्री, तारा प्रकाशन, वाराणसी
3. प्राकृत साहित्य का इतिहास, डॉ. जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

4- Introduction to Prakrit, A.C. Woolner

5- History of Prakrit Literature, Hardev Bahari

6- समणसुत्तं – सम्पपदक आचार्य विनोबा भावे, दिल्ली

7- प्राकृत स्वयं शिक्षक – प्रो. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–तृतीय

ऐच्छिक पत्र **(INTER DISCIPLINARY COURSE)**

MJVB304MD : **The Uses of English**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Students learned Basic Sentence Patterns and Transformation
2- Students learned Time, Tense and Concord
3- Students learned Voice, Narration and Modal Auxiliaries
4. Students learned Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit I: Basic Sentence Patterns and Transformation.

Unit II: Time, Tense and Concord.

Unit III: Voice, Narration and Modal Auxiliaries.

Unit IV: Writing Skills. (Letter, Application, Précis, Report and Essay Writing.)

SUGGESTED READING

- Green, David. ***Contemporary English Grammar Structure and Composition***.Laxmi Publications; Second edition (2015)
- Hornby, A.S.***A guide to Patterns and Uses*****.** Oxford University Press, New Delhi.
- Swan, Michael**. *Practical English Grammar*.**Oxford University Press, New Delhi.
- Harit, S.K.***Communication Skills and English Grammar*****.**Associated Book Company, Jodhpur.
- Krishnaswamy, N.***Modern English: A Book of Grammar, Usage and Composition*****.** Laxmi Publications.

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–तृतीय

ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)

M-JVB-305-MD: Non-violence and Peace

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Students learned about Violence: Concept, types, impact
2- Students learned aboutConflict – Cause, Forms, Impact
3- Students learned about Human Nature Relationship
4- Students learned about World Peace

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit- I	**Violence: Concept, types, impact** Non-violence- Philosophical and Historical Interpretation, Applied aspect, Training in Non-violence
Unit-II	**Conflict – Cause, Forms, Impact** Conflict Resolution-Diplomatic, Gandhian and Anekantik Techniques.
Unit-III	**Human Nature Relationship** EnvironmentalProblems. Ethical Aspects.
Unit – IV	**World Peace** Threat to Global Peace Initiative For Peace Making

SUGGESTED READING

- विश्वशांति एवंअहिंसाप्रशिक्षण–प्रो. बच्छराजदूगड़,
- गांधीदर्शन, शांति एवंमानवाधिकार, डॉ. अनिलधर, जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूँ
- पर्यावरण अध्ययन, डॉ. सतिन्द्र सिंह
- Anekant the Third Eye, AcharyaMahapragya.
- Towards a Nonviolent Future, S.L. Gandhi(Ed.), Anuvibha, Jaipur, 2015
- Peace Studies, The Discipline and Dimensions AshuPasricha, 2003

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
M-JVB-306-MD : **Introduction of Political Science**
क्रेडिट–4

Outcomes:-

1. Devlop Knowledge about meaning and nature of Political Theories.
2. Students Understand Various Approaches of Political Theory.
3. Students Understand About Various Types of Government.
4. Students Understand Contemporary various dimensions of Political Theory.
5. Students Understand About Various Concept of Political Theory.

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit-1 Concept of Political Theory, Rights and its various types, Concept of Power-sources, types and Characteristics, Concept of Authority-sources, types and Characteristic, Concept of Legitimacy, sources, and Characteristic

Unit-2 Concept of Citizenship & Indian Citizenship, Concept of Liberty, Equality and Justice.

Unit-3 Political Modernization, Political Development, Political Decay, Political Culture, Democracy & Dictatorship

Unit-4 Concept of State, Politics, Parties, Coalition Government, Politics of Reservation.

Reference Books:

1. Modern Political Theory: S.P Verma
2. Contemporary Political Theory: J.C Johari
3. Aadhunik Rajnitik Sidhhant: S.L Verma
4. Rajniti Shastra ke Mul Sidhhant: B.R Purohit
5. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: B.L Fadia
6. Rajniti Vigyan ke Mul Aadhar: Pukhraj Jain

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
ऐच्छिक पत्र (INTER DISCIPLINARY COURSE)
JVB 307 : Introduction to Jainism
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Students learned about Jain History
2- Students learned about Jain Metaphysics
3- Students learned about Jain Principal
4. Students learned about Jain Ethics & Yoga

Total Marks : 100 (70 Writen Exam+ 30 CIA)

Unit I: Jain History

1. Antiquity of Jainism (*Riabha and Mahavira*)
2. Jain religious Schools, Orders, and Sects
3. Jain Festival
4. Jain Literature

Unit II: Jain Metaphysics

1. Concept of Reality
2. Cosmology: Jain Perspective
3. The Nine Truths of Classical Jainism
4. Salvation and way of it

Unit III: Jain Principal

1. Anekantvada
2. Syadvada
3. Karmavada

Unit IV: Jain Ethics & Yoga

1. Jain Life Style : Based on Ahimsa on Aparigraha
2. Jain view of Environment
3. Jain Yoga

SUGGESTED READING

- AcharyaMahaprajna, ***Jain DarshanMananAurMimansa***, AdarshSahityaSangh, Churu, 1977, (p. 1-84)
- Shastri, Kailashchandra, ***Jain Dharm***, BharatvarshiyaDigamber Jain Sangh, Mathura, UP, 1985. (Chap. – 1, 4, 5, 6 and the part of Chap. 7 – p. 337 – 365)
- Jain, Jyoti Prasad, **Religion and Culture of the Jains**, BharatiyaGyanpeeth, 1999 (Chap. – 1 to 3 and 7 to 9)
- Bhaskar, Bhagchand Jain, ***Jain Dharma kaMaulikItihas*** SamyakgyanPracharakMandal, Jaipur. Vol 1 & 2.
- ShastriNemichandra, ***TirthankaraMahaveer aura UnkiAcharyaParampara***, Vol.-I., PrachyaShramanaBharati, Mujaffar Nagar, U.P.
- SamaniRijuPrajna, ***Jain ItihasaurSanskriti***,Jain VishvaBharati Institute, Ladnun
- SamaniRijuPrajna, ***Jain Tattvamimansa aura AcharaMimansa***, Jain VishvaBharati Institute, Ladnun.

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य पत्र (CORE COURSE)
MJVB301RP : शोध–प्रविधि
क्रेडिट–4
उपलब्धियां (Course Outcome)

1- शोध का परिचय एवं प्रकार का परिचय प्राप्त होगा
2- शोध–समस्या, परिकल्पना एवं शोध–क्षेत्र का परिचय प्राप्त होगा
3- शोध–विधियों की जानकारी प्राप्त हुई
4- पाद–टिप्पण, संदर्भ ग्रन्थ सूची एवं परिशिष्ट निर्माण की विधि का ज्ञान होगा

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1:

शोध : स्वरूप–परिचय, (Introduction : Research),
वर्णनात्मक शोध (Descriptive Research),
शोध के प्रकार (Types of Research),
ऐतिहासिक, तुलनात्मक, भाषात्मक, सामाजिक, प्रविधिपरक एवं कार्यपरक शोध (Historical, Comperative, Linguistic, Social, Methodological and Action Research),

इकाई–2:

शोध–समस्या का चयन (Selection of Research Problem),
परिकल्पना (Hypothesis),
शोध–क्षेत्र (Area of Research),
शोध रूपरेखा (Synopsis)

इकाई–3:

शोधविधियां (Methods of Research), वैज्ञानिक विधि (Scientific Method)
निरीक्षणात्मक विधि (Observation Method), साक्षात्कार विधि (Interview Method)
प्रश्नपरक विधि (Questionnaire Method)

इकाई–4:

वैयक्तिक व एकल अध्ययन (Case Study), प्रतिदर्श–प्रतिचयन (Sampling),
सामग्री या आंकड़ों का संग्रहण व निरीक्षण (Collection & Analysis of Data etc.),
पादटिप्पण (Foot Notes), डाइक्रिटिकल मार्क (Diacritical Marks),
उपसंहार (Conclusion), सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Bibliography), परिशिष्ट निर्माण (Appendix),

संदर्भ ग्रंथ–

1- Methods in Social Research, William Goode, Paul K. Hatt, McGraw Hill Book Company, 1974.
2. अनुसंधान विधियां (व्यवहारक विज्ञानों में), डॉ. एच.के कपिल, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा, 2015 ।
3. अनुसंधान विधियां, डॉ. डी.एन. श्रीवास्तव, साहित्य प्रकाशन, आगरा, 2010
4- Research Methodology, Gopal Lal Jain, Mangal Deep Publication, Jaipur, 2003.
5- Scientific Social Sureys and Research, Pauline V. Young, Prentice Hall of India Private Limited, New Delhi, 1939.

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–चतुर्थ
अनिवार्य पत्र (MAJOR COURSE)
MSKT401MJ : संस्कृत नीतिपरक साहित्य
क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. नीतिशतक के माध्यम से नीतिसूत्रों की जानकारी
2. क्षत्रचूडामणि के विषय–वस्तु की जानकारी
3. पंचतन्त्र (विष्णुशर्माकृत)–अपरीक्षितकारक, पंचमतन्त्र
4. नीति साहित्य के माध्यम से नीति की शिक्षा प्राप्त करना

पूर्णांक : 100 (70 लिखित परीक्षा + 30 CIA)

इकाई–1: नीतिशतक (भर्तृहरिरचित) 1–55 श्लोक
इकाई–2: क्षत्रचूडामणि (आचार्य वादीभ सिंह), प्रथम लम्भ
इकाई–3: क्षत्रचूडामणि (आचार्य वादीभ सिंह), द्वितीय लम्भ
इकाई–4: पंचतन्त्र (विष्णुशर्माकृत)–अपरीक्षितकारक, पंचमतन्त्र

संदर्भ ग्रन्थ

1. नीतिशतकम्, डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, आदर्श प्रकाशन, जयपुर, 2015।
2. पंचतन्त्रम्, (टीकाकार) गोकुलदास गुप्त, (सं.) रामचन्द्र झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008।
3. क्षत्रचूडामणि, भाषा टीकाकार एवं सम्पादक–यशपाल जैन, श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वद् परिषद् ट्रस्ट, 2016

Research

Core Elective (Any One)

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)

MJVB401RP : **Review of Literature**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. Decipher the concept, source and types of literature.
2. Development of research writing skills.
3. Understand the concept of seminar and workshop.
4. Development of understanding method of reviewing literature.

Total Marks 100 (Departmental Presentation 50 Marks + CIA 15 Marks +Theory 35 Marks)

Theory (2 Credits)

UNIT-I Review of Literature

a) Meaning, Nature of Literature Review
b) Significance of Literature Review
c) Principles of Literature Review
d) Identification of Research gaps through Literature Review

UNIT II Sources of Literature

Sources of Literature:

a) Primary
b) Secondary
c) Tertiary

Practical (2 Credits)

Collection of Review of Literature on concerned subject (minimum 15 including books, journals, digital sources and encyclopedias)

Work Cited :

Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.

Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.

Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.

McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.

Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America

Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

एम.ए. संस्कृत
सेमेस्टर–चतुर्थ
ऐच्छिक पत्र (ELECTIVE COURSE)
MJVB402RP : **Formulation of Research Proposal**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Develop the research design
2- Understand various research steps
3- Explain the various research methods and techniques

Total Marks 100 (Proposal Formulation 50 Marks + CIA+ Theory 15+35=50)

Theory (2 Credits)

UNIT-1: Research Design Quantitative-I

a) Selection of research problem
b) Review of related literature
c) Objectives of research
d) Formation of hypothesis

UNIT-2: Research Design Quantitative-II

a) Procedure of Data collection, classification and tabulation
b) Variables
c) References - Footnote, Bibliograpy

Work Cited:

Anderson, R.I., and T.A. Banerot (1952), Statistical Theory of Research, New York, McGraw Hill Book Company.

Ferguson, G.A. (1971), Statistical Analysis in Psychology and Education, Kogakusna, Tokyo : McGraw-Hill.

Garrett, H.E. (1966), Statistical in Psychology and Education, VokelsFeffers and Simons Ltd., Bombay

Garrett, H.E. (1971), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Paragon International Publisher.

Guilford, J.P. &Fruchter, B. (1981), Fundamental Statistical in Psychology and Education, New York: McGraw-Hill.

Kerlinger, Fredan N. (1964), Foundations of Behavioral Research, Holt Rinhert and Winston, New Yourk

Mangal, S.K. (2008), Statistical in Psychology and Education, New Delhi: Prentice Hall of India Private Limited.

McCall, R. (1993), Fundamental Statistics for the Behavioural Science. New York: Harcourt Brace.

Ravid, Ruth. (2000), Practical Statistics for Education. New York: University Press of America

Seigel, S. & Castel Ian N.J. (1988), Non-parametric statistics for the Behavioural Science. Singapore: Graw-Hill Book Co.

Sharma, R.A. (1993), Fundamental of Educational Research, International Publishing House, Meerut,

गुप्ता एस.पी. (2011), अनुसंधानसंदर्शिका, सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवंप्रविधि, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद।

यादव, राकेशचन्द (2009), राजर्षिपुरूषोत्तमदासदण्डन के शैक्षिकविचार, प्रथमसंस्करण, उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

कौल, लौकेश, (2009), शैक्षिकअनुसंधान की कार्यप्रणाली, तृतीय पुर्नमुद्रण, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली।

गुप्ता एस.पी. एवंअलकागुप्ता (2008), व्यवहारपरकविज्ञानोंमेंसांक्ष्यिकी विधियां, चतुर्थसंस्करण, शारदापुस्तकभवन, इलाहाबाद।

पाण्डेय, के.पी. (2008), शैक्षिकअनुसंधान, तृतीय संस्करण, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

राय, पासरनाथ (2007), अनुसंधानपरिचय, द्वादशमसंस्करण, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।

गैरिट, हेनरीई. (1989), शिक्षाऔरमनोविज्ञानमेंसांख्यिकीय, ग्यारहवांहिन्दीसंस्करण, कल्याणीपब्लिशर्स, लुधियाना।

सिन्हा, एच. सी. (1979), शैक्षिकअनुसंधान, विकासपब्लिशिंगहाउसप्रा. लि., नईदिल्ली।

Research

Core Elective (Any One)

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र **(ELECTIVE COURSE)**

MJVB403RP : Publication of Article in Refereed Journal

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Develop the research Knowledge
2- Understand Subjects Knowledge
3- Develop writing Skill

Total Marks 100 (Publication of Paper 70 + CIA 30)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

- Two research articles should be published in two different ISSN based research magazine.

अथवा

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–चतुर्थ

ऐच्छिक पत्र **(ELECTIVE COURSE)**

M-JVB404RP : **Paper Presentation in National/International Seminar/Conference**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1- Deeper understanding of the Subject Matter
2- Increased Confidence Level
3- Enhance Communication skills
4- Improved Research and Analytical Skills

Total Marks 100 (Paper Presentation 70 + CIA 30)

In this paper there is no theory examination. In this paper following action should be taken.

- Participation and presentation of two papers in national level seminars/conferences.

Research

(Core Compulsory)

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य पत्र **(MAJOR COURSE)**

MJVB405RP : **Dissertation**

क्रेडिट–4 (**Dissertation Writing**)

उपलब्धियां (Course Outcome)

2. विद्यार्थी शोध विधियों से परिचित होगा।
3. विषय का गम्भीर ज्ञान प्राप्त होगा।
4. लघुशोध प्रबन्ध के माध्यम से नये तथ्यों को उजागर किया गया।
5. भविष्य में की जाने वाली शोध का पृष्ठभूमि तैयार हुई।

Total Marks 100 (Preparation of Dissertation – 70 + CIA 30)

एम.ए. संस्कृत

सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य पत्र **(MAJOR COURSE)**

MJVB406RP : **Presentation and Viva-voce**

क्रेडिट–4

उपलब्धियां (Course Outcome)

1. विद्यार्थी का आत्मविश्वास बढता है।
2. विद्यार्थी प्रस्तुति में सक्षम होता हैं।
3. विषय विशेषज्ञ के सामने जवाब देने की योग्यता प्राप्त होती है।
4. भविष्य में की जाने वाली शोध का पृष्ठभूमि तैयार हुई।

Total Marks 100 (Presentation 30 Viva Voice – 40 + CIA 30)